शंकर कृष्णाजी अभ्यंकर

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कारः
हिंदुस्तानी वाद्य संगीत (सितार)

महाराष्ट्र के सतारा में 19 मई 1934 को जन्मे, श्री शंकर कृष्णाजी अभ्यंकर ने गंधर्व महाविद्यालय मंडल से गायन और सितार वादन में अलंकार की उपाधि अर्जित की। आपका संबंध ग्वालियर घराने से है। आपने कुमार गंधर्व से बंदिश और रचना तथा पं. रविशंकर से सितार वादन का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपने दांडेकर, गजानन जोशी और नारायणराव व्यास से हिंदुस्तानी गायन और शंकरराव व्यास से भी सितार वादन सीखा है।

आप नारायणराव व्यास गुरुकुल और देवधर संगीत विद्यालय से भी जुड़े रहे हैं। आपके शिष्यों में अश्विनी भिडे देशपांडे, आरती अंकलिकर और संजीव अभ्यंकर जैसे संगीतकार शामिल हैं। आपने स्वर साधना संगीत विद्यालय, व्यास संगीत विद्यालय और एसएनडीटी विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य किया है। आप गंधर्व महाविद्यालय से भी संबद्ध रहे हैं।

हिंदुस्तानी वाद्य संगीत (सितार) में योगदान के लिए श्री शंकर कृष्णाजी अभ्यंकर को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SHANKAR KRISHNAJI ABHYANKAR

Sangeet Natak Akademi Amrit Award:
Hindustani Instrumental Music (Sitar)

Born on 19 May 1934 at Satara in Maharashtra, Shri Shankar Krishnaji Abhyankar has an Alankar in vocal music and sitar from the Gandharva Mahavidyalaya mandal. He has received training in the Gwalior gharana of classical vocal music and from Kumar Gandharva in Bandishi and composition, and from Ravi Shankar in Sitar. He has also received training in vocal music from Dandekar, Gajanan Joshi and Narayanarao Vyas, and in Sitar from Shankarrao Vyas.

Shri Abhyankar has been associated with the Narayanrao Vyas Gurukul and the Deodhar School of Music. Some of his prominent students are Ashwini Bhide Deshpande, Arati Ankalikar, and Sanjeev Abhyankar. He had held teaching positions in Svar Sadhana Sangeet Vidyalaya, Vyas Sangeet Vidyalaya, and SNDT University. He has been associated with the Gandharva Mahavidyalaya.

Shri Shankar Krishnaji Abhyankar receives the Sangeet Natak Akademi Amrit Award for his contribution to Hindustani instrumental music.